वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 47 | मंगलवार 11 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नए मंत्रिमंडल की पहली बैठक की

चार मंत्रालय में कोई परिवर्तन नहीं, शिवराज को कृषि, मनोहर लाल को ऊर्जा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार शाम को अपने नए मंत्रिमंडल की पहली बैठक की। इस बैठक में अपने मंत्रिमंडल में शामिल नवनिर्वाचित मंत्रियों को विभाग आवंटित किए गए। मिली जानकारी के अनुसार, मोदी 3.0 कैबिनेट में नितिन गडकरी को सड़क और परिवहन मंत्रालय मिला है। वहीं, एस जयशंकर को विदेश मंत्रालय विभाग सौंपा गया है।

काम का बंटवारा

राजनाथ सिंह
रक्षा

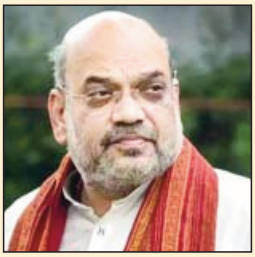

अमित शाह
गृह एवं सहकारिता

नितिन गडकरी
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग

जेपी नड्डा
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उर्वरक एवं रसायन

शिवराज सिंह चौहान
कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास

निर्मला सीतारमण
वित्त एवं कारपोरेट अफेयर्स

मनोहर लाल
आवास एवं शहरी विकास, ऊर्जा

एस जयशंकर
विदेश

एचडी कुमारस्वामी
भारी उद्योग एवं इस्पात

कैबिनेट विस्तार : किसके पास कौन सा विभाग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी : कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग के साथ सभी महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दे और अन्य सभी विभाग किसी भी मंत्री को आवंटित नहीं किए गए।
अमित शाह : गृह और सहकारिता मंत्रालय
राजनाथ सिंह : रक्षा मंत्रालय
नितिन गडकरी : सड़क परिवहन मंत्री
जेपी नड्डा : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और रसायन एवं उर्वरक मंत्री
शिवराज सिंह चौहान : कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय
निर्मला सीतारमण : वित्त मंत्रालय, और कारपोरेट मामलों का मंत्रालय
सुब्रह्मण्यम जयशंकर : विदेश मंत्रालय
मनोहर लाल खट्टर : आवास एवं शहरी मामले का मंत्रालय और ऊर्जा मंत्रालय
हरदीप सिंह पुरी : पेट्रोलियम मंत्रालय
पीयूष गोयल : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
धर्मेंद्र प्रधान : शिक्षा मंत्रालय
सर्बानंद सोनोवाल : बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय
गिरिराज सिंह : कपड़ा मंत्रालय
अश्विनी वैष्णव : रेल मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया : संचार मंत्रालय
और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय,
भूपेंद्र यादव : पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
गजेंद्र सिंह शेखावत : संस्कृति मंत्री तथा पर्यटन मंत्रालय
अन्नपूर्णा देवी : महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
जीतन राम मांझी : सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम
राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह : पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी
एचडी. कुमारस्वामी : स्टील और भारी उद्योग
वीरेंद्र कुमार : सामाजिक न्याय और अधिकारिता
राममोहन नायडू : नागरिक उड्डयन
प्रह्लाद जोशी : उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा
जुएल ओराम : आदिवासी मामले
किरेन रिजिजू : संसदीय कार्य मंत्री तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय
डॉ. मनसुख मंडाविया : श्रम और रोजगार मंत्रालय और युवा मामले और खेल मंत्रालय
जी. किशन रेड्डी : कोयला और खदान
सीआर पाटिल : जल शक्ति मंत्रालय
चिराग पासवान : खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

राव इंद्रजीत सिंह : सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन, योजना और संस्कृति
डॉ. जितेन्द्र सिंह : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान (स्वतंत्र प्रभार)
प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष (राज्य मंत्री)
अर्जुन राम मेघवाल : कानून एवं न्याय मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य मंत्रालय (राज्य मंत्री)
जाधव प्रतापराव गणपतराव : आयुष मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (राज्य मंत्री)
जयंत चौधरी : कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार)

राज्य मंत्रियों के विभाग

जितिन प्रसाद : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
श्रीपद येसो नाइक : ऊर्जा मंत्रालय तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
पंकज चौधरी : वित्त मंत्रालय राज्य मंत्री
कृष्णपाल : सहकारिता मंत्रालय
रामदास आठवले : सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (राज्य मंत्री) तथा शिक्षा मंत्रालय (राज्य मंत्री)
रामनाथ ठाकुर : कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (राज्य मंत्री)
नित्यानंद राय : गृह मंत्रालय (राज्य मंत्री)
अनुप्रिया पटेल : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (राज्य मंत्री) तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय (राज्य मंत्री)
वी. सोमन्ना : जल शक्ति मंत्रालय (राज्य मंत्री)
तथा रेल मंत्रालय (राज्य मंत्री)
डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी : ग्रामीण विकास मंत्रालय (राज्य मंत्री) तथा संचार मंत्रालय (राज्य मंत्री)
प्रो. एसपी. सिंह बघेल : मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय (राज्य मंत्री)
तथा पंचायती राज मंत्रालय (राज्य मंत्री)
शोभा करंदलाजे : सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (राज्य मंत्री) तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय (राज्य मंत्री)
कीर्तिवर्धन सिंह : पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (राज्य मंत्री) और विदेश मंत्रालय (राज्य मंत्री)
बीएल. वर्मा : उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (राज्य मंत्री) और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (राज्य मंत्री)
शांतनु ठाकुर : बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय (राज्य मंत्री)
सुरेश गोपी : पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (राज्य मंत्री) और पर्यटन मंत्रालय (राज्य मंत्री)
डॉ. एल. मुरुगन : सूचना और प्रसारण मंत्रालय (राज्य मंत्री) और संसदीय कार्य मंत्रालय (राज्य मंत्री)
अजय टम्टा : सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (राज्य मंत्री)
बी. संजय कुमार : गृह मंत्रालय (राज्य मंत्री)
कमलेश पासवान : ग्रामीण विकास मंत्रालय (राज्य मंत्री)
भागीरथ चौधरी : कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (राज्य मंत्री)
सतीश चंद्र दुबे : कोयला मंत्रालय (राज्य मंत्री)
तथा खान मंत्रालय (राज्य मंत्री)
संजय सेठ : रक्षा मंत्रालय (राज्य मंत्री)
रवनीत सिंह बिट्टू : खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (राज्य मंत्री) तथा रेल मंत्रालय (राज्य मंत्री)
दुर्गादास उइके : जनजातीय मामलों के मंत्रालय (राज्य मंत्री)
रक्षा निखिल खडसे : युवा मामले और खेल मंत्रालय (राज्य मंत्री)
सुकांत मजूमदार : शिक्षा मंत्रालय (राज्य मंत्री)
और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्रालय (राज्य मंत्री)
सावित्री ठाकुर : महिला और बाल विकास मंत्रालय (राज्य मंत्री)
तोखन साहू को आवास : और शहरी मामलों के मंत्रालय (राज्य मंत्री)
राज भूषण चौधरी : जल शक्ति मंत्रालय (राज्य मंत्री)
भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा : भारी उद्योग मंत्रालय (राज्य मंत्री) और इस्पात मंत्रालय (राज्य मंत्री)
हर्ष मल्होत्रा : कॉर्पोरेट मामले (राज्य मंत्री) और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (राज्य मंत्री)
निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया : उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (राज्य मंत्री)
मुरलीधर मोहोल : सहकारिता मंत्रालय (राज्य मंत्री) और नागरिक उड्डयन मंत्रालय (राज्य मंत्री)
जॉर्ज कुरियन : अल्पसंख्यक मामलों (राज्य मंत्री) और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय (राज्य मंत्री)
पबित्रा मार्गेरिटा : विदेश मंत्रालय (राज्य मंत्री) और वस्त्र मंत्रालय (राज्य मंत्री)

जैन पत्रकार महासंघ का क्षेत्रीय अधिवेशन सफलतापूर्वक संपन्न

समाचार पत्रों में सामग्री ऐसी हो जिसे पाठक वर्ग पढ़ने के प्रति आकर्षित हो : आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी

केशोरायपाटन (बूंदी). शाबाश इंडिया

जैन पत्रकार महासंघ का हाड़ौती संभाग में क्षेत्रीय अधिवेशन, श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, केशोरायपाटन (जिला बूंदी) में 9 जू न को दोपहर 1.30 बजे से गणिनी आर्यिकारत्न 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी के पावन सानिध्य में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम जैन पत्रकार महासंघ के सभी पदाधिकारियों ने पूज्य माताजी को श्रीफल भेंट कर अधिवेशन में सानिध्य प्रदान करने के लिये निवेदन किया, तत्पश्चात श्री मुनिसुव्रतनाथ स्वामी के चित्र के समक्ष अनिल ठोरा - सुनीता ठोरा, विज्ञान नगर, कोटा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर ने महासंघ की गतिविधियों पर प्रकाश डाला और उपस्थित सभी पदाधिकारियों व सदस्यों के लिये अपने शब्दों के माध्यम से स्वागत उद्बोधन दिया। समारोह अध्यक्षीय उद्बोधन अतिशय क्षेत्र केशोरायपाटन के अध्यक्ष गुलाब चन्द जैन ने दिया और अतिशय क्षेत्र के बारे में जानकारी प्रदान की। अधिवेशन के मुख्य विषय ह्यह्यप्रिंट मीडिया की आवश्यकता एवं जैन पत्रकारों के संरक्षणह्यह्य पर बोलते हुए महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र जैन ह्यह्यमहावीरह्यह्य, सनावद ने कहा कि हमें अपने समाचार-पत्रों में सकारात्मक समाचार ही प्रकाशित करने चाहिये। उन्होंने कहा कि इलैक्ट्रोनिक मीडिया इतिहास का साक्ष्य नहीं बनता है जबकि प्रिंट मीडिया साक्ष्य बनता है इसलिये प्रिंट मीडिया का महत्व कभी समाप्त नहीं हो सकता। उन्होंने पूज्य माताजी से यह भी निवेदन किया कि माताजी, आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के बाद आपसे समाज को बहुत अपेक्षायें हैं। महासंघ के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री अकलेश जैन, अजमेर ने कहा कि हमें जैन पत्रकार कहलाने से बात नहीं बनेगी बल्कि पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारी भी निभानी होगी। जैन गजट के सह संपादक सुनील जैन ह्यह्यसंचयह्यह्य, ललितपुर ने बताया कि सोशल मीडिया पर भरोसा नहीं किया जा सकता। हालांकि सोशल मीडिया के आगे प्रिंट मीडिया दबा-दबा सा नजर आता है क्योंकि कोई समाचार जब तक पेपर में छपता है, उससे पहले वह समाचार सोशल मीडिया पर आ जाता है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि जैन पत्रकार निःस्वार्थ सेवा करते हैं, समाज के श्रेष्ठीगणों को इन्हें प्रोत्साहित करना चाहिये। ब्र. मनीष जैन ने जहाजपुर स्थित स्वस्ति धाम के बारे में और वहां के अतिशय के बारे में विस्तार से बताया। परम पूज्य गणिनी आर्यिकारत्न श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने अपने मंगल प्रवचन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अधिवेषन दो दिवसीय होना चाहिये और प्रथम दिन, इसके तीन चरण होने चाहिये ताकि सभी लोग अपनी बात रख सकें और उनके बारे में विस्तृत चर्चा हो सके। उन्होंने प्रिंट मीडिया की आवश्यकता पर बोलते हुए कहा कि आपके समाचार-पत्र को लोग क्यों पढ़े, इस पर विचार करने की आवश्यकता है, सामग्री ऐसी होनी चाहिये कि पाठक वर्ग उसको पढ़ने के प्रति आकर्षित हो, उसमें रूचि पैदा हो। पूज्य माताजी ने यह भी कहा कि प्रिंट मीडिया के साथ-साथ, सोशल मीडिया को भी नहीं भुलाया जा सकता, उसकी भी आवश्यकता है। इस अवसर पर जैन पत्रकार महासंघ के फोल्डर, जैनाग्र संदेश पत्रिका ,जैन गजट और समाचार जगत के अंक का विमोचन हुआ। अधिवेशन में पधारे सभी पत्रकारों और अतिथियों का आभार क्षेत्रीय अधिवेशन के संयोजक पारस जैन (पत्रिका), कोटा ने व्यक्त किया। मंच संचालन समारोह के मुख्य संयोजक एवं राष्ट्रीय मंत्री राकेश जैन 'चपलमन' कोटा ने किया। अधिवेशन के दौरान पूज्य माताजी ने जैन पत्रकार महासंघ के संयुक्त महामंत्री सुनील जैन 'संचय'-ललितपुर और महासंघ के जयपुर जिला संयोजक चक्रेश जैन, समाचार जगत (जयपुर) को उनके सक्रिय योगदान के लिये महासंघ के पदाधिकारियों से विशेष रूप से सम्मानित करवाया। महासंघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनीष जैन विद्यार्थी, शाहगढ़ की इस क्षेत्रीय अधिवेशन को आयोजित करवाने में विशेष भूमिका रही। क्षेत्रीय अधिवेशन के मुख्य संयोजक राकेश जैन 'चपलमन', कोटा जिला संयोजक पारस जैन (पत्रिका), बूंदी जिला संयोजक महावीर सरावगी, जयपुर जिला संयोजक चक्रेश जैन और केशोरायपाटन के स्थानीय संयोजक मुकेश जैन थे। प्रबंधकारियाणी समिति श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, केशोरायपाटन का पूरा सहयोग इस अधिवेशन में प्राप्त हुआ। जैन पत्रकार महासंघ के अधिवेशन में महासंघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिलीप जैन-जयपुर, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री महेन्द्र जैन बैराठी- जयपुर, राकेश जैन सोनी-इंदौर, नरेन्द्र कुमार जैन-बिजौलिया, डॉ.आर.के.जैन-कोटा, प्रकाश पाटनी-भीलवाड़ा, सुरेन्द्र प्रकाश जैन-जयपुर, अशोक राणा-जयपुर, नवीन कुमार जैन-जहाजपुर, राजेश जैन 'बंटी'-कोटा, अभिषेक लुहाड़िया - रामगंजमंडी, राजेन्द्र कुमार जैन-इटावा,नवनीत जैन -इटावा, सुबोध जैन-कोटा, पदम शाह-नैनवा, त्रिलोक चन्द जैन-खटकड़ (जिला बूंदी), विमल कुमार जैन , ब्र. डॉ. कल्पना जैन नोयडा, पारस जैन 'पार्श्वमणि'-कोटा, रविन्द्र काला-बूंदी, चन्द्रेश कुमार जैन भोपाल, भागचन्द जैन-जयपुर व गौरव पाटनी कापरेन आदि सम्मिलित

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार द्वारा हेल्थ अवेयरनेस सेमिनार का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार एवं फॉर्टिस हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मेडिकल अवेयरनेस सेमिनार में ग्रुप के 180 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया जिसका शुभारंभ सतीश नीलू काला द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। ग्रुप अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि अस्पताल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रविंद्र कुमार टोंग्या, ऑकोलॉजिस्ट डॉ संदीप जैन, रोबोटिक सर्जन डॉ अनूप जुरानी व न्यूरोलॉजिस्ट डॉ नीतू रामराखियानी ने विभिन्न प्रकार के रोगों एवं उनसे बचाव और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अस्पताल के मार्केटिंग हेड मनजीत ग्रोवर एवं बृजेश गुप्ता ने फेडरेशन के कार्याध्यक्ष सुरेंद्र पाण्डया, अनिल जैन, नवीन सेन जैन, अतुल बिलाला, राजेश बड़जात्या, निर्मल संघी, महावीर बाकलीवाल, सुरेश जैन बांदीकुई, कैलाश सेठी, राजा बाबू बाकलीवाल, शशी सेन जैन का दुपट्टा उड़ा कर सम्मान किया। ग्रुप द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। समारोह का रोचक संचालन शशी सेन जैन ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन नवीन सेन जैन ने किया।

धार्मिक शिक्षण संस्कार शिविर के छठे रोज जैन धर्म के महान आचार्य श्री कुंद कुंद देव के बारे में एनिमेशन मूवी दिखाई गई

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे में सकल जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय धार्मिक शिक्षण संस्कार शिविर में छठे रोज जैन धर्म रक्षक पाठशाला के बच्चों के द्वारा पंडित विद्वत अंकित जैन के दिशा निर्देश मे अभिषेक, शांतिधारा तथा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर जैन धर्म के 15 वें तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान का मोक्ष कल्याण का लाडू चढ़ाकर सुख समृद्धि की कामना की गई। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कर्तव्योदय शिविर के कार्यक्रम में जैन धर्म रक्षक पाठशाला के बच्चों को प्रातः ध्यान योग निर्देशक सत्येन्द्र झंडा, त्रिलोक जैन पीपलू एवं नीरज कुमार झंडा, अक्षिता बजाज, गरिमा जैन केकड़ी के द्वारा ने संयुक्त रूप से विशेष नित्य योग कक्षा,आर्ट कक्षा, एवं डांस कक्षा प्राणायाम सिखायें जा रहें हैं।कार्यक्रम में विद्वत अंकित शास्त्री ने कुलाचार के बारे प्रकाश डालते हुए कहा कि जैन वो है जो कुलाचार का पालन करता है, इसमें नित्य देव दर्शन करना, पानी छानकर पीना, रात्रि भोजन का त्याग शास्त्रों में बताया गया है। कार्यक्रम में जैन धर्म के महान आचार्य कुंद कुंद देव के बारे में एनीमेशन मूवी दिखाई कर उनके जीवन पर विस्तार से जानकारी दी। समाजसेवी सोहनलाल झंडा, कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, संतोष बजाज,फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा,पंडित कैलाश कडीला, सत्येन्द्र झंडा, अनिल कठमाना, अशोक कागला, राजकुमार मांदी,त्रिलोक जैन पीपलू, नीरज झंडा, निखिल जैन लावा, तथा राजाबाबू गोधा एवं सुशीला झंडा,अंजू मंडावरा,सोना कठमाणा, रानी नला, अंजू मोदी, मीनाक्षी मांदी,रेखा झंडा , शिप्रा कासलीवाल,राज श्री कागला,आभा मांदी तथा प्रीति कलवाडा सहित सभी पदाधिकारी गण मोजूद थे।

-राजाबाबू गोधा जैन महासभा मीडिया प्रवक्ता राजस्थान

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए पत्रकार, कवि हरीश शर्मा

लक्ष्मणगढ़ ,सीकर. शाबाश इंडिया। कस्बे के निवासी व बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान के संस्थापक, अध्यक्ष, पत्रकार, कवि हरीश शर्मा को स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। शक्ति फिल्म प्रोडक्शन की फाउंडर अंबालिका शास्त्री ने बताया कि सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने एवं जन जागृति अभियान के माध्यम से समाज में एक नई मिशाल पेश करने के लिए लक्ष्मणगढ़ के कवि, पत्रकार हरीश शर्मा को राष्ट्रीय विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार हरीश शर्मा के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने समाज में शिक्षा और संस्कारों को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास किए हैं। उनके बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान ने देश भर में लाखों लोगों को प्रेरित किया है। हरीश शर्मा के बारे में : हरीश शर्मा एक प्रसिद्ध कवि, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उन्होंने बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान की स्थापना की, जिसका उद्देश्य बच्चों को शिक्षा प्रदान करना और उनमें संस्कारों को विकसित करना है। इतना ही नही उन्होंने हाल ही में अपने जन्मदिवस के अवसर पर एक जन-जागृति अभिनव पहल ''सड़क दुर्घटना में घायल हुए व्यक्तियों का वीडियो न बनाए उन्हें समय से अस्पताल पहुँचाकर मानवता का धर्म निभाएं'' का आगाज भी हरीश शर्मा के द्वारा किया गया था। शर्मा का प्रयास घायलों का वीडियो बनाने वाले लोगों को प्रेरित कर जागरूक करना है ताकि उनके प्रयासों से किसी घायल को समय से उपचार मिल सकें। पुरस्कार का महत्व : स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार भारत के सबसे प्रतिष्ठित सामाजिक पुरस्कारों में से एक है। यह पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने समाज में उल्लेखनीय योगदान दिया है। हरीश शर्मा को यह पुरस्कार मिलना उनके समाज सेवा के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

वेद ज्ञान

विवेक और कर्म है जरूरी

सफल एवं सार्थक जीवन के लिए कर्म जरूरी है, लेकिन उसके साथ विवेक भी जरूरी है। कर्म मनुष्य के स्वभाव में निहित है। गीता में कहा गया है कि हम कर्म करें, वह हमारा अधिकार है, किंतु फल की इच्छा न करें। हमारा शरीर दरवाजा है। उस खुले दरवाजे से सभी तरह के कर्मों को करने की प्रेरणा मिलती है। एक मनीषी ने लिखा है कि यह शरीर नौका है। यह डूबने भी लगता है और तैरने भी लगता है, क्योंकि हमारे कर्म सभी तरह के होने से यह स्थिति बनती है। इसीलिए बार-बार अच्छे कर्म करने की प्रेरणा दी जाती है, लेकिन ऐसा हो नहीं पाता है। हमें यह समझ लेना चाहिए कि जिस प्रकार एक डाल पर बैठा व्यक्ति उसी डाल को काटता है तो उसका नीचे गिर जाना अवश्यंभावी है, ठीक उसी प्रकार गलत काम करने वाला व्यक्ति अंततोगत्वा गलत फल पाता है। उदाहरण के लिए हम किसी पर क्रोध करते हैं तो उसका प्रत्यक्ष फल हमारी आंखों के सामने आ जाता है। हमारा शरीर, हमारा मन, हमारी बुद्धि, सब कुछ उत्तेजित हो उठता है जिससे हमारी शक्ति का अपव्यय होता है। साथ ही हम उस व्यक्ति को भी क्षुब्ध करते हैं जो हमारे क्रोध का भाजन होता है। हम कोई बुरा शब्द मुंह से निकालते हैं तो हमारी जबान गंदी हो जाती है। हम चोरी करते हैं तो हमारे भीतर बड़ी अशांति और बेचैनी होती है। इसके विपरीत जब हमारे हाथों से कोई अच्छा काम होता है तो तत्काल हमें बड़े ही आत्मिक संतोष और प्रसन्नता की अनुभूति होती है। मनुष्य के हाथ में कर्तव्य करना है, लेकिन उसका फल नहीं है। वह अनेक कारणों तथा परिस्थितियों पर निर्भर करता है। सच्चाई यह भी है कि कर्म कराने वाला और कोई है। हम तो निमित्त मात्र हैं। हममें से अधिकांश व्यक्ति इस सत्य को भूल जाते हैं। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि हम फल की आशा रखते हैं तो अनुकूल फल होने से हमें हर्ष होता है और प्रतिकूल फल होने से विषाद होता है। इससे राग और द्वेष पैदा होते हैं। इसीलिए कहा गया है कि कर्म करो, किंतु तटस्थ भाव से करो। हममें से अधिकतर लोग सत्कर्म करके उसका हिसाब रखते हैं। यह उचित नहीं है। इससे पुण्य क्षीण हो जाता है। बाइबिल में कहा गया है कि अपने दाहिने हाथ से तुम जो कुछ देते हो उसका बाएं हाथ को भी पता नहीं होना चाहिए।

संपादकीय

सुधारों को अंजाम देना मुश्किल न साबित हो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को एवं गोपनीयता की शपथ ली। उनके साथ मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने भी पस ग्रहण की। भारत जैसे विविधता से भरे लोकतंत्र में दो सफल कार्यकाल के बाद मोदी सरकार चलाने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साझेदारों पर निर्भर नई सरकार की बुनियादी प्राथमिकताएं आने वाले दिनों में हमारे सामने होगी। वह चिंता इस बात की भी है कि कहीं गठबंधन सरकार में सुधारों को अंजाम देना मुश्किल न साबित हो। बहरहाल अनुभव तो यही बताते हैं कि बंधन सरकारे न केवल प्रभावी ढंग से काम करती है बल्कि वे दांचागत सुधारों को भी अंजाम देती हैं। भारत को अगर मध्यम अवधि में निरंतर उच्च आर्थिक वृद्धि करनी है तो उसे निरंतर सुधारों को अपनाना होगा। यह बात ध्यान देने लायक है कि बहुप्रतीक्षित कारक बाजार सुधारों को अंजाम देने का काम तो एक पार्टी के बहुमत वाली सरकारों में भी मुश्किल साबित हुआ है। ऐसे सुधारों पर सहमति बनाने में अवश्य समय लग सकता है लेकिन सरकार ऐसी पहल से शुरूआत कर सकती है जिन पर साझेदारो को आपत्ति होने की संभावना नहीं है। उदाहरण के लिए सरकार को वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी की दरों और सब को युक्तिसंगत बनाने की प्रक्रिया जीएसटी परिषद में शीघ्र शुरू करनी चाहिए। हालांकि हाल के वर्षों में जीएसटी संग्रह में सुधार हुआ है। इसकी वजह अनुपालन में सुधार है किंतु दरों की बहुता के कारण कर व्यवस्था का प्रदर्शन कमजोर रहा है। इससे केंद्र और राज्य ये सारी पर राजकोषीय परिणाम प्रभावित हुए है। एक सामान्य जीएसटी प्रणाली जिसमें सीमित स्लैब हो, वह राजस्व में बेहतरी लाएगी और कारोबारी सुगमता को भी बेहतर बनाएगी। इसके अतिरिक्त भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र में कम से कम तीन ऐसे प्रमुख किए जिनपर तत्काल अमल शुरू किया जा सकता है। इनमें से पहला है देश की की व्यवस्था भारत जैसे तेजी सेहो अर्थव्यवस्था वाले देश में वह अहम है कि आंकड़ों की गुणवत्ता विश्वसनीय हो ऐसे सरकारी और दोनों स्तरों पर निर्णय लेने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगे। भारत में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। सरकार ने काफी अंतराल के बाद हाल ही में उपभोक्ता सर्वेक्षण के आंकड़े जारी किए हैं लेकिन अर्थशखिका कहना है कि घरेलू उत्पाद और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक श्रृंखला में संशोधन के पहले एक और बार ऐसा करना चाहिए। भारतको उत्पादक मूल्य सूचकांक की भी आवश्यकता है ताकि उत्पादन के बारे में बेहतर जानकारी मिल सके। इसके अलावा रोजगार के क्षेत्र में भी निरंतरता के साथ विश्वसनीय आंकड़े हासिल करना आवश्यक है। चूँकि कुछ संकेतक पुराने आंकड़ों पर आधारित है इसलिए शायद वे मौजूदा हालात को सही ढंग से सामने नहीं रख पा रहे हों इससे नीतिगत निर्णय की गुणवत्ता प्रभावित होगी और आर्थिक परिणामों पर असर होगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नई उम्मीदें

नई सरकार ने शपथ ले ली है। नई उम्मीदें हैं और चुनौतियां भी बेशुमार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली दो सरकारों में भाजपा अकेले बहुमत के पार थी। इस बार जबकि राजग लगातार तीसरी बार सत्ता में आई है, भाजपा की घटक दलों पर निर्भरता है, उनके साथ तालमेल बनाकर चलने की चुनौती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना तीसरा कार्यकाल समझौतावादी जनादेश के साथ शुरू किया है। नतीजतन, मोदी के 72 सदस्यीय नए मंत्रिमंडल में भाजपा के सहयोगियों के 11 मंत्री हैं। साथ ही, देश को मजबूत विपक्ष मिला है। नीतियों को लागू कराने के दौरान सरकार को विपक्ष को साथ लेकर चलना होगा। मजबूत विपक्ष सामने है। इससे विपक्ष और असहमति जताने वाली आवाजों को कुछ राहत मिलेगी। सत्ता और विपक्ष झ दोनों के लिए आगे का रास्ता अवसरवादी जोड़-तोड़ की राजनीति नहीं, बल्कि आम लोगों की उम्मीदों और संघर्षों में निहित राजनीति होनी चाहिए। इस स्थिति ने संयमित प्रशासन की उम्मीद जगाई है। राज्यों में प्रभावी दलों के साथ सत्ता साझा करने से मोल-भाव की गुंजाइश बढ़ जाती है। लेकिन देश के सामने मोदी की सत्ता की मूल प्रकृति सामने है, जो फैसलों में दृढ़ संकल्प वाली है। गठबंधन धर्म इस प्रकृति को लेकर एक गहन विश्लेषण की मांग करेगा। गठबंधन सहयोगियों की राज्य स्तरीय राजनीति के नजरिए से देखा जाए तो कम से कम अगले चरण के विधानसभा चुनावों तक तस्वीर मोदी के पक्ष में है। तेलगुदेसम पार्टी अपने राज्य में आराम से बैठी है। जद (एकी) को अगले साल विधानसभा चुनावों तक सत्ता में बने रहने के लिए भाजपा की जरूरत है। लोजपा के चिराग पासवान और फिर से उभर रहे राजद की चुनौती सामने है। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे भाजपा के दम पर मुख्यमंत्री बने हुए हैं। जद (सेकु), रालोद और राकांपा जैसे अन्य गठबंधन सहयोगी अपने फायदे के लिए सौदेबाजी से परे कोई प्रभाव नहीं डाल सकते। देश में बीते तीन दशकों के आर्थिक उदारीकरण के दौर में लोगों की आकांक्षाओं में वृद्धि हुई है। बीते 10 वर्षों में मोदी सरकार के कार्यक्रमों ने इस वास्तविकता को स्वीकार किया है। विकसित भारत का नारा लोगों के सामने है। लेकिन यह हकीकत भी है कि बुनियादी ढांचे के निर्माण, नए रोजगार पैदा करने, कौशल विकास और लोगों के जीवन स्तर को बेहतर करने जैसे काम अभी शुरू ही हुए हैं। कई मोर्चों पर नीतियां अभी तय हुई हैं। जाहिर है, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियां बड़ी हैं। सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था के अधिकांश बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में तेजी से बढ़ने की बात रखी है। इसका चिंताजनक पहलू यह भी है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था अन्य क्षेत्रों में विकास के साथ कदम मिलाकर नहीं चल पा रही है। मनरेगा योजनाओं पर निर्भरता भी बढ़ी है। स्पष्ट है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सेहत को बहाल करना ही होगा और बुनियादी स्तर पर ही बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। जाहिर है, जनप्रतिनिधियों को चुन कर संसद में भेजने वाला मतदाता उम्मीद करेगा कि लोकतांत्रिक ढांचे में सभी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाएंगे।

चैतन्य संस्कार शिविर हुआ सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया। हिरण मगरी , सेक्टर -3 , श्री शांतिनाथ दिगंबर मंदिर सेक्टर - 3 में चैतन्य संस्कार शिविर का समापन हुआ। ट्रस्ट के महामंत्री व शिविर के निदेशक सभा के संचालक महावीर प्रसाद शास्त्री ने बताया कि कार्यक्रम के अध्यक्ष शांतिलाल अखावत , मुख्य अतिथि रोशनलाल फांदोत , विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर विवेक जैन,खेमचंद जैनदर्शनाचार्य , डॉ .जिनेंद्र शास्त्री, गजेंद्र शास्त्री निलेश शास्त्री हितंकर शास्त्री थे ।चेतन संस्कार शिविर में तीन प्रकार की कक्षा आयोजित हुई थी जिसमें बाल वर्ग में प्रथम स्थानअविश जैन, स्वभाव जैन ,लवी जैन ने प्राप्त किया। वहीं किशोर वर्ग में प्रथम स्थान जैनिल जैन , द्वितीय स्थान वर्तिका जैन ,तृतीय स्थान जैनम जैन ने प्राप्त किया । ड्राइंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जैनम जैन द्वितीय स्थान वर्तिका जैन तृतीय स्थान चारवी अखावत ने प्राप्त किया हैं । बाल वर्ग में 20 व किशोर वर्ग में 32 तथा युवावर्ग 105 लोगों ने भाग लिया। तत्वार्थ सूत्र में प्रथम स्थान श्रीमती ज्योति फांदोत, द्वितीय स्थान - श्रीमती प्रतिभा जैन, तृतीय स्थान श्रीमती सरोज रटोडिया ने प्राप्त किया । सभी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पूर्व में जिनेन्द्र भक्ति की गई तथासत्पुरुष श्रीकानजी स्वामी का सीडी प्रवचन हुआ भी हुआ। इस अवसर पर पं . निर्मल जैन भूपेन्द्र मेहता, पारस कचरावत , भगवती जैन , रेणु जैन 'राखी जैन वीणा जैन, लता जैन ' हेमलता जैन आदि का शिविर व्यवस्था में सहयोग प्राप्त हुआ। सुरेश अखावत ने सबका आभार व्यक्त किया। शिविरार्थियों ने अपना फीड बैक देते हुआ कि ऐसा शिविर प्रति वर्ष लगते रहना चाहिये। शिविर में कक्षा लेने वाले सभी विद्वानों का ट्रस्ट द्वारा सम्माने किया गया।

15 वें तीर्थंकर धर्म नाथ भगवान का मनाया मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर,मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर , पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के 15 वें तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए कहा कि कस्बे के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बीचला मंदिर में आज प्रातः श्रावकों द्वारा श्री जी का अभिषेक,शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई तथा कार्यक्रम में सामूहिक रूप से श्रीजी की महाशांति धारा की गई तथा जैन धर्म के 15 वें तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान का जयकारों के साथ मोक्ष कल्याणक का लाडू चढ़ाकर कर विश्व में सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई, कार्यक्रम में पंडित केलास कडीला ने अवगत कराया कि धर्मनाथ भगवान (अवसर्पिणी) के पंद्रहवें तीर्थंकर थे,वे एक सिद्ध पुरुष थे,इनका जन्म इक्ष्वाकु वंश में रत्नपुरी में राजा भानुराजा ओर रानी सुव्रत रानी के यहां हुआ था, उक्त समय पंडित संतोष बजाज,केलास कड़ीला,सुरेंद्र चौधरी, सुकुमार चोधरी,कमलेश नला, वीरेन्द्र नला, विमल कलवाडा,अशोक गिंदोडी, विमल चोधरी,शुभम चोधरी, आदित्य चोधरी , तथा राजाबाबू गोधा एवं संतरा चोधरी,केलासी चोधरी,ईलायची मोदी, विश्वलता चोधरी,मधु चोधरी,संजु चोधरी, ललिता बजाज सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे। **-राजाबाबू गोधा जैन महासभा मीडिया प्रवक्ता राजस्थान**

मानसरोवर में भगवान धर्मनाथ जी के मोक्ष कल्याण का निर्वाण लाडू अर्पित किया

आचार्य शशांक सागर जी महाराज को चातुर्मास के लिए कल श्रीफल भेंट करेगा वरुण पथ समाज

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर द्वारा श्री श्री 1008 भगवान धर्मनाथ जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्माण लाडू अर्पित किया गया। इस अवसर पर तीनों वेदीयो पर विराजमान भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा करने के पश्चात भगवान शान्तिनाथ जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्वाणलाडू पूर्ण विधि विधान एवं मंत्रोचार से अर्पित किया गया निर्माण लाडू के पुण्यार्जक के रूप में समाज सेवी श्रीमती चंदा देवी महेंद्र कासलीवाल, विनेश प्रीती सोगानी, बीरेश नीता जैन टीटी, नरेंद्र ममता कासलीवाल, सुरेश कनक लता जैन सुधीर अंजली बोहरा, अक्षय आशा गोधा, सुरेंद्र सोनल जैन नव जैन ने सहयोग प्रदान किया। श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर के संगठन मंत्री एवं प्रचार संयोजक विनेश सोगानी ने बताया कि कल दिनांक 11 जून 2024 को प्रातः 8:30 बजे परम पूज्य आचार्य शशांक सागर जी महाराज को चातुर्मास 2024 के लिए समाज द्वारा जनकपुरी जैन मंदिर में निवेदन किया जाएगा। समाज के सभी बंधुओ से निवेदन है कि कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करें कार्यक्रम में ज्ञान बिलाला, विनेश सोगानी, बिरेश जैन टीटी , अजीत जैन बी ओ बी,विनोद छाबड़ा, पूनम आंधिका, सुधीर बोहरा नरेश शाह, सुनील गंगवाल ,दिनेश जैन , मनोज जैन, दया चंद जैन,कमल जैन,मनीष जैन, संतोष कासलीवाल सुरेन्द्र जैन, गौरव जैन चाकसू, ,भंवरी देवी काला, कनक लता जैन, अंजू बज,आशा सेठी, सुधा बिलाला, निधी लुहाड़िया,उषा झाझरी, सहित अनेकों साधर्मी बंधु उपस्थित रहे।

जिनवाणी माता का दिन मदर्स डे के रूप में मनाया जाए

जयपुर. शाबाश इंडिया

मनुष्य की योग्यता बुद्धिमता, क्षमता, सार्थकता एवं संपन्नता में अभिवृद्धि जिनवाणी से होती है। क्योंकि वहां से संस्कार और धर्म जीवन में आ जाता है। हम जब जिनवाणी को पढ़ेंगे, आगम को जानेंगे, तभी तो जैन धर्म पर आरुढ होंगे। मां जिनवाणी परम उपकारी है ,और हमारे आचार्य भगवान चारों अनु योग हमें समझाते हैं मैं स्वयं क्या हूं मेरा परिचय क्या है, वह करुणा करके हमें बताते हैं, तो मैं समझता हूं मदर्स डे भी श्रुत पंचमी को ही मनाना चाहिए।

हम ऋणी हैं आचार्य भगवंत अर्हद बली के जिन्होंने सुबुद्धि और नरवाहन मुनिराज को आचार्य धरसेन स्वामी भगवन्त के पास भेजा। जहां श्रुत का ज्ञान प्राप्त कर हम सभी पर उन्होंने वृहद उपकार किया। और प्रभु वर्धमान स्वामी की वाणी को आगम सूत्रों में लिपिबद्ध कर लोक कल्याण के लिए सौंप दिया। संपूर्ण विश्व पर गुरु भगवन्तो का अनन्य उपकार है, जिन्होंने मां जिनवाणी से हमारा साक्षात्कार कर दिया , जिससे प्रत्येक साधर्मी जनो का रोम रोम उल्लासित हो गया। तथा जिनवाणी और जिन दर्शन का सुफल सुयोग बन गया। हम लोग रोजाना अपने फोन में स्टेटस बदलते हैं,बेहद चिंता रहती है और इसके प्रति सावधान भी रहते हैं। अगर हमें हमारा अपना असली स्टेटस बेहतर बनाना है तो अपने आचार, विचार, संस्कार के साथ अपना स्टेटस लगाये हम मां जिनवाणी के आराधक हैं ,क्यों ना हम श्रुत पंचमी के दिन ग्रंथ राज षट् खंडागम का स्टेटस लगायें। ध्यान दें और विचार करें। जिस काल में जो कार्य होना चाहिए उसे उसी काल में करना ,। यही श्रेयस्कर होता है ।ना समय से पहले ना समय के बाद । इसे आगम में कालाचार माना गया है। यद्यपि आगम में कालाचार का वर्णन सम्यक ज्ञान के आठ अंगों के अंतर्गत आता है । वहां जिनवाणी स्वाध्याय के संबंध में इसका प्रयोग हुआ है। किस काल में स्वाध्याय करना चाहिए,यह जानना भी आवश्यक है। आज जीवन के हर क्षेत्र में हम कालाचार का उल्लंघन कर रहे हैं। जिससे हमारे धर्म और संस्कृति का पतन हो रहा है। आइए हम सब मिलकर श्रुत पंचमी महा महोत्सव के पावन पर्व पर श्रुत आराधना करते हुए श्रुत के महत्व को समझें ।आचार्य पद्मानन्दी स्वामी धम्म रसायण में कहते हैं समस्त त्रिलोक में ऐसी कोई वस्तु नहीं है, जो श्रुत धर्म का आचरण करने से प्राप्त न हो सकती हो । किंतु जो धर्म से दरिद्र अर्थात हीन हैं। वह समस्त दुखों को प्राप्त करता है। कहा गया है श्रुत धर्म का श्रद्धान तो कर सुख की निर्झरिणी बहती मिलेगी। अंतर की दृष्टि से देखो अपनी ही निधियां तुमको दिखेंगी। श्रुत धर्म का आचरण करने से सुमति प्राप्त हो जाती है। कहा भी गया है-जहां सुमति तहां संपत्ति नाना,जहां कुमति तहां विपत्ति आना।

-रमेश गंगवाल

जयपुर की कई कॉलोनियों ने चढ़ाएं प्रवास हेतु श्रीफल : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ जयपुर में धर्म का बिगुल बजाकर जनमानस पर भक्ति की अमिट छाप छोड़ रही हैं । माताजी ससंघ के सान्निध्य में श्रावक श्रेष्ठी श्री अमरचंद जी जैन भोपाल (पूज्य माताजी के गृहस्थावस्था के पिता श्री) की आकस्मिक निधन पर उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए सिद्धार्थ नगर जयपुर में विनयांजलि सभा का कार्यक्रम हुआ।

जिसमें जयपुर की कई कॉलोनियों के भक्त शामिल हुए। चौमुबाग, प्रतापनगर, मालवीय नगर आदि समाजों ने पूज्य माताजी को प्रवास हेतु श्रीफल समर्पित किये। माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - सहना बहुत बड़ी तपस्या है। साथ ही इसमें बहुत ताकत भी होती है ' वह आपको संसार में सुख, शांति, संतोष और समृद्धि देने में सक्षम है। कभी-कभी हमें समस्याओं का सामना करना पड़ता है ' उस वक्त हम डर जाते हैं। जीवन में सफलता चाहते हो तो, आपके अंदर सब्र का होना बहुत जरूरी है, जिस व्यक्ति में धैर्य नहीं होता वो व्यक्ति बहुत ही कमजोर होता है ।एक बहादुर व्यक्ति वही होता है जिसमें सब्र होता है किसी भी काम में कामयाबी हासिल करने के लिए सबसे पहले आपको संयम बनाए रखना होगा । विपत्ती मे धैर्य , वैभव मे दया और संकट में सहनशीलता ही श्रेष्ठ व्यक्तियों के लक्षण है। पूज्य माताजी की आहारचर्या करवाने का सौभाग्य अनिल जी सुनील जी कासलीवाल सपरिवार ने प्राप्त किया। आगामी 11 जून 2024 को पूज्य माताजी के सानिध्य में श्रीजिनसहस्त्रनाम महार्चना एवं चातुर्मास घोषणा समारोह व श्रुत पंचमी महोत्सव का आयोजन सिद्धार्थ नगर जयपुर में होगा ।

॥ श्री जिनाय नमः ॥

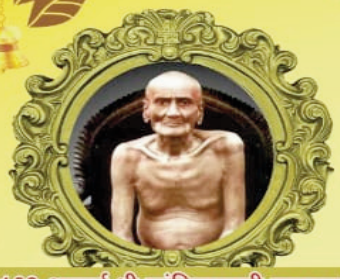

108 आचार्य श्री शांतिसागरजी महाराज

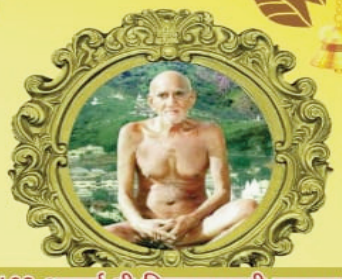

108 आचार्य श्री विमलसागरजी महाराज

हमारे परिवार के लिए गौरवमयी क्षण

हमारे पूज्य पिताजी धर्म रत्नाकर श्री पारसमलजी पाण्ड्या की

भव्य जैनेश्वरी दीक्षा

बुधवार, 19 जून 2024, ज्येष्ठ सुदी 12, वि.सं. 2081

स्थान : श्री दिगम्बर जैन नशियां, सुजानगढ़

सादर जय जिनेन्द्र।

आपको यह सूचित करते हुए प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि हमारे पाण्ड्या परिवार के लिए अत्यंत ही गौरवमयी प्रसंग है कि वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमलसागरजी महाराज के पट्टा शिष्य सर्वांगभूषण आचार्य श्री 108 चैत्य सागर जी महाराज संसघ के सान्निध्य में हमारे पूज्य पिताजी धर्म रत्नाकर श्री पारसमलजी पाण्ड्या (सुपुत्र : स्व. भँवरीदेवी–सात प्रतिमाधारी – स्व. नेमीचन्दजी पाण्ड्या–पाँच प्रतिमाधारी) के जैनेश्वरी दीक्षा के भाव हुए हैं। इस मंगल प्रसंग पर सपरिवार पधारकर अनुमोदना कर पुण्य लाभ अर्जित करें।

कार्यक्रम

17 जून 2024, सोमवार	:::	दोपहर 1:30 बजे मेंहदी
18 जून 2024, मंगलवार	:::	दोपहर 1:00 बजे गणधर विधान स्थान : श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, सुजानगढ़ दोपहर 3:30 बजे : हल्दी एवं मंगल स्नान (स्थान : श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, सुजानगढ़) सायं 6:30 बजे समाज द्वारा श्री दिगम्बर जैन मन्दिर से उल्लासपूर्वक बनौरी
19 जून 2024, बुधवार (दीक्षा कार्यक्रम)	:::	प्रात: 6:00 बजे गृह त्याग स्थान : दीक्षार्थी परिवार निज निवास प्रात: 6:30 बजे जैन मन्दिर से भव्य जुलूस के साथ दीक्षा स्थल, नशियांजी के लिए प्रस्थान प्रात: 8:00 बजे दीक्षार्थी द्वारा पाण्डाल में भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा प्रात: 9:15 बजे आचार्य श्री चैत्यसागरजी महाराज द्वारा दीक्षा संस्कार

विनीत :

सरोजकुमार – बबीता (पुत्र एवं पुत्रवधू)
सुरेशकुमार – ममता (पुत्र एवं पुत्रवधू)
नरेशकुमार – सीमा (पुत्र एवं पुत्रवधू)

अभिषेक – सलोनी (पौत्र एवं पौत्रवधू)
अनुराग – उर्वशी (पौत्र एवं पौत्रवधू)
अंकित, अतिशय, आदित्य (पौत्र)

शिखा (पौत्री), निवि (पड़पौत्री) एवं समस्त पाण्ड्या परिवार

सम्पर्क : 9414086518 (सरोज), 9413147923 (सुरेश), 9436111461 (नरेश)

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. कासं। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा, जयपुर में दिनांक 10.06.2024 बुधवार जेष्ठ शुक्ला चतुर्थी को भगवान धर्म नाथ जी के मोक्ष कल्याणक मनाया गया। ट्रस्ट मंत्री राजेंद्र काला ने बताया कि इस पावन अवसर पर सामूहिक समाधि कांड के वाचन के साथ सामूहिक निर्वाण लाडू चढ़ाया गया।

बाल संस्कार शिविर का आयोजन हुआ

गाजियाबाद. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर गाजियाबाद सेक्टर 1 इंदिरापुरम में बच्चों का बाल संस्कार शिविर का आयोजन हुआ । मुनि श्री 108 अनुकरण सागर जी महाराज के आशीर्वाद व सानिध्य में आयोजित इस शिविर में बच्चो को पूजन, शास्त्र, जिनवाणी के बारे जानकारी दी गई।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर में श्री धर्म नाथ जी भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर जयपुर मे आज देवाधिदेव तीर्थंकर 1008 श्री धर्म नाथ जी भगवान के मोक्ष कल्याणक निर्वाण मांगलिक अवसर पर बड़े ही भक्ति पूर्वक निर्वाण लड्डू चढ़ाने का पुण्य श्रीमती शकुंतला देवी, शांति, देवेन्द्र, निखिल, तुषार छाबड़ा परिवार ने प्राप्त किया। ट्रस्टी देवेन्द्र छाबड़ा ने बताया इस अवसर पर समाज के कल्याण मल, राम लाल, नरेश, पंकज, पवन, देवेंद्र अन्य श्रेष्ठि गन मौजूद रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आगरा में शुरू हुआ तीन दिवसीय अर्हं ध्यान योग शिविर

आगरा. शाबाश इंडिया। अर्हम ध्यान योग प्रणेता मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एव अर्हम ध्यान योग टीम आगरा के द्वारा एवं माननीय कुलपति महोदय प्रो. आशु रानी जी के निर्देशन में तीन दिवसीय अर्हम ध्यान योग के शिविर का आज 10 जून को विधिवत शुभारम्भ आगरा के खंदारी स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय खंदारी कैंपस में किया गयो जहां आज प्रथम दिन मधुमेह से योग के माध्यम से की प्रकार आप उसको कंट्रोल कर राहत पा सकते है इस पर आज का प्रशिक्षण दिल्ली से पधारी डॉ रुचि जैन द्वारा दिया गया। डॉ रुचि जैन ने बताया कि मधुमह का कनेक्शन हमारे पेट से होता है और हमारा भोजन सात्विक होना चाहिए व सुबह ११ बजे और शाम को 6 बजे तक भोजन कर लेना चाहिए, डॉ जैन ने बताया किसान-मजदूर रोटी ज्यादा खाता है सब्जी कम क्योंकि रोटी अनाज होने के कारण कर प्रकट के विटामिंस होते इसलिए रोटी जरूर खानी चाहिए जब कि आज कल शहर में डाइट का एक चलन चल गया है। जैसे महत्वपूर्ण विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। सत्र से पहले डॉ रूचि जैन ने पंचमुद्रा व अर्हम क्लैप्स कराई।आज के सत्र में डॉ अखिलेश सक्सेना जी, प्रोफेसर मनु प्रताप जी,डॉ राजीव कुमार,पन्नालाल बैनारा,राजीव जैन,पंकज जैन सीटीवी,सतेंद्र जैन, अक्षय जैन,सिद्धार्थ जैन,अरुण जैन, शुभम जैन,छाया जैन,मोनी जैन, मयूरी जैन,दीक्षा जैन,ईशा जैन,वर्षा जैन आदि लोग उपस्थित रहे। **रिपोर्टः शुभम जैन मीडिया प्रभारी**

आचार्य शशांक सागर जी के सानिध्य में तीर्थंकर धर्म नाथ का मनाया मोक्ष कल्याणक

श्रुत पंचमी पर आज होगा श्रुत स्कंध विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में सोमवार को भगवान के श्री चरणों में धर्म प्रभावना की भावना के साथ तीर्थंकर धर्मनाथ के मोक्ष कल्याण पर आचार्य श्री शशांक सागर जी ससंघ के पावन सानिध्य में निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। प्रबंध समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार जैन धर्म के 15वें तीर्थंकर धर्मनाथ जी वर्तमान युग (अवसर्पिणी) के पंद्रहवें जैन तीर्थंकर थे। जैन मान्यताओं के अनुसार, वह एक सिद्ध, एक मुक्त आत्मा बन गया जिसने अपने सभी कर्म नष्ट कर दिए। धर्मनाथ का जन्म इक्ष्वाकु वंश में रत्नपुरी में राजा भानु राजा और रानी सुव्रत रानी के यहाँ हुआ था। उनकी जन्मतिथि भारतीय कैलेंडर के माघ शुक्ल महीने की तृतीया तिथि थी। इनका वज्र प्रतीक चिन्ह है तथा इनका निर्वाण सम्मेद शिखर जी में हुआ था। मन्दिर जी में प्रातः नित्य अभिषेक व शांति धारा के बाद अर्घ्य बोलते हुए पूजन की गई । इसके बाद आचार्य श्री शशांक सागर जी ने समंतभद्र आचार्य की गाथाओ का वाचन किया एवं श्रद्धालुओं ने निर्वाण काण्ड बोलकर जयकारों के साथ मोक्ष कल्याण अर्घ्य बोलते हुए निर्वाण लाडू समर्पित किया। मंगलवार को श्रुत पंचमी के अवसर पर विधान का आयोजन होगा।

जैन समाज कोडरमा के सानिध्य में 15 वे तीर्थंकर 1008 धर्मनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव मनाया

कोडरमा. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन समाज झुमरीतिलैया के सानिध्य में श्री दिगंबर जैन दोनों मंदिर जी मे देवाधिदेव 1008 धर्मनाथ भगवान का निर्वाण कल्याणक महोत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया गया जिसमें सर्वप्रथम देवाधिदेव 1008 श्री धर्म नाथ भगवान की स्वर्णमयी प्रतिमा को मस्तक पर लेकर वेदी की प्रतीक्षना देकर पांडुक शिला पर विराजमान किया ।पश्चात रजत कलशों से भगवान का अभिषेक किया गया इसी के साथ विश्व शांति महामंत्र के साथ शांति धारा बिनोद , अर्हम,कथान्स अजमेरा के परिवार के द्वारा की गई उसके पश्चात देवाधिदेव 1008 धर्मनाथ भगवान के चरणों में सभी भक्तों के द्वारा पूजन अर्चना की गई देवाधिदेव 1008 श्री धर्मनाथ भगवान के निर्वाण कल्याणक मनाते हुवे निर्वाण लड्डू भगवन के चरणों मे समर्पित किया गया ।ज्ञात हो कि झारखंड की सबसे ऊंची पर्वत सम्मेदशिखर जी के सुदतवर टोंक से आज से कई हजार वर्ष पहले मोक्ष हुवा था तब से सभी भक्त इसे कल्याणक के रूप में मनाते है इस अवसर पर समाज के पदाधिकारी के साथ समाज के कई गण्यमान्य भक्त उपस्थित थे विशेष रूप से मंत्री ललित सेठी,संजय गंगवाल,सुशील काला ,दिलीप छाबडा,नरेश जैन,बाबू जैन, नया मंदिर जी मे प्रदीप,मीरा छाबडा,तारामणि सेठी,हनुमान पाटनी, प्रदीप पाटनी आदि शामिल हुवे इसी के साथ आज अजमेरा परिवार,कोडरमा के पुनीत-अर्हम अजमेरा, ने श्रवणबेलगोला कर्नाटक में गोमटेश्वर 1008 बाहुबली भगवान का अभिषेक कर निर्वाण लड्डू चढ़ाया,निर्वाण लड्डू चढ़ाने में विशेष रूप से निधि अजमेरा, शिम्पी, दीक्षा काला बाराबंकी शामिल हुईं। उक्त जानकारी कोडरमा जैन मीडिया प्रभारी राज कुमार जैन अजमेरा,नविन जैन ने दी।

पार्श्वनाथ प्रीमियर लीग का हुआ भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

पार्श्वनाथ प्रीमियर लीग का भव्य आयोजन हुआ। प्रतियोगिता के दूसरे दिन कुंथूनाथ नाथ टीम की जीत के समापन हुआ। कप्तान सक्षम सेठी के साथ सभी खिलाडी रिषभ जैन, गर्विल जैन, प्रतीक गंगवाल, लवलीश जैन, अनंत जैन, स्वाक्षी जैन, अहाना बाकलीवाल ने बड़े ही अच्छे खेल का प्रदर्शन किया और सभी खिलाड़ियों के योगदान से 1विकेट के पतन से 88 रन बनाये, सम्भावनाथ टीम को 6 विकेट के साथ 28 रन पर रोककर 60 रन से जीत दर्ज की। राजेन्द्र बाकलीवाल ने बताया कि यह क्रिकेट प्रतियोगिता श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, थड़ी मार्केट, जयपुर द्वारा करायी गयी थी। इसमें 16 टीमों ने भाग लिया और टीम कुंथुनाथ ने 9 जून को फाइनल मैच जीत कर ट्रॉफी अपने नाम की।

श्रुत पंचमी आज 11 जून को

जिनवाणी की पूजा सहित होंगे श्रुत स्कन्ध पूजा विधान, निकलेगी जिनवाणी रथ यात्रा

जैन मंदिरों में गूंजे भगवान धर्मनाथ के जयकारे -

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के पन्द्रहवें तीर्थंकर भगवान धर्मनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव सोमवार, 10 जून को भक्ति भाव से मनाया गया । इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार मंगलवार, 11 जून को श्रद्धालुओं द्वारा श्रुत पंचमी समारोह मनाया जाएगा।- मंदिरों में जिनवाणी की पूजा सहित श्रुत स्कन्ध पूजा विधान का आयोजन किए जाएंगे। शहर में जिनवाणी रथ यात्रा निकाली जाएगी। श्री जैन ने बताया कि प्रातः धर्मनाथ भगवान के मंत्रोच्चार से जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक किये गये। तत्पश्चात विश्व में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए मंत्रोच्चार के साथ शांति धारा की गई। अष्ट द्रव्य से पूजा करते हुए निर्वाणोत्सव मनाया गया जिसमें निर्वाण काण्ड भाषा के वाचन पश्चात मोक्ष कल्याणक का श्लोक ''जेठशुकल तिथि चौथकी हो,शिव समेदतैं पाय। जगतपूजपद पूजों,पूजों हो अंबार।। धरमजिनेसुर पूजों।।'' बोलकर अर्घ्य एवं निर्वाण लाडू चढाया गया। महाआरती के बाद समापन हुआ । इस मौके पर मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर जीऊबाईजी में विशेष आयोजन किए गए ।मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, सांगानेर के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, तारों की कूट पर श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सहित कई मंदिरों में विशेष आयोजन किए गए। जैन के मुताबिक शहर में विभिन्न मंदिरों में विराजमान आचार्य शशांक सागर महाराज, आचार्य निपूर्णा नन्द महाराज, गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए जाकर निर्वाण लाडू चढाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक मंगलवार, 11 जून को श्रुत पंचमी पर्व भक्ति भाव से मनाया जावेगा । इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में जिनवाणी सजाओ प्रतियोगिता, जिनवाणी की पूजा सहित श्रुत स्कन्ध पूजा विधान किया जावेगा ।शहर में राजस्थान जैन साहित्य परिषद् जयपुर के तत्वावधान में बुधवार को प्रातः 7.00 बजे दडा मार्केट स्थित दिगम्बर जैन मंदिर तेरापंथी बडा मंदिर से मनिहारों का रास्ता स्थित दिगम्बर जैन मंदिर संघीजी तक शोभायात्रा निकाली जायेगी । संघीजी मंदिर में धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। कई मंदिरों में जिनवाणी पूजा,श्रुत स्कन्ध पूजा सहित संगोष्ठियों के आयोजन किये जायेंगे।

विनोद जैन कोटखावदा
प्रदेश महामंत्री